तैयारी | यूपी के युवाओं को रक्षा क्षेत्रों में नए-युग के पाठ्यक्रमों में गुणवत्तापूर्ण मॉड्यूल तक पहुंच मिलेगी

रक्षा औद्योगिक गलियारे के समर्थन के लिए करार

नई दिल्ली, विशेष संवाददाता। भारतीय कौशल संस्थान (आईआईएस) कानपुर ने कौशल विकास मंत्रालय के उद्देश्यों के अनुरूप गुरुवार को भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) कानपुर, हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) और डसॉल्ट एयरक्राफ्ट सर्विसेज इंडिया (डीएएसआई) के साथ 3 प्रमुख साझेदारियों की घोषणा की। इसका मक़सद विशेष रूप से उत्तर प्रदेश में रक्षा औद्योगिक गलियारे का समर्थन करने के लिए एयरोस्पेस और रक्षा क्षेत्र के लिए स्थानीय युवाओं को सशक्त बनाना और तैयार करना है।

नई दिल्ली में गुरुवार को भारत सरकार के केंद्रीय शिक्षा और कौशल विकास और उद्यमिता मंत्री धर्मेंद्र प्रधान की उपस्थिति में समझौता ज्ञापनों का आदान-प्रदान किया गया। साझेदारी युवाओं के समग्र विकास पर ध्यान केंद्रित करती है। इससे ख़ासतौर पर उत्तर प्रदेश के युवाओं को विमानन और रक्षा क्षेत्रों में नए-युग के पाठ्यक्रमों में गुणवत्तापूर्ण मॉड्यूल तक पहुंच मिलेगी। यह पहली बार है कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के तहत परिकल्पना के अनुरूप आईआईएस कानपुर की क्षमताओं के निर्माण के लिए शिक्षा, कौशल और अग्रणी उद्योगों के बीच सहयोग हुआ है। इन आईआईएस की संकल्पना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सिंगापुर के इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्निकल एजुकेशन की अपनी यात्रा के दौरान की थी। जो छात्रों को नौकरियों और करियर में उन्नति के लिए तैयार करने वाले अग्रणी संस्थानों में से एक है।

रोजगार के अवसर: प्रधान ने आगे कहा कि इस सहयोग के तहत भविष्य के पाठ्यक्रम हमारे देश के युवाओं और कार्यबल के लिए प्रधानमंत्री का उपहार है।

युवाओं को सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण अध्याय

इस अवसर पर बोलते हुए प्रधान ने कहा कि आईआईटी कानपुर, भारतीय कौशल संस्थान, कानपुर, एचएएल और डसॉल्ट एयरक्राफ्ट सर्विसेज इंडिया के बीच सहयोग, कौशल विकास के भविष्य को आकार देने और भारत के युवाओं को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण अध्याय है। उन्होंने कहा कि पहली बार शैक्षणिक संस्थान, कौशल संस्थान और उद्योग युवाओं को प्रमाणित करने और भविष्य के लिए तैयार करने के प्रयासों में तालमेल बिठाने के लिए एक साथ आ रहे हैं।